माता वैष्णो देवी के फूलों के कचरे से बनायी जाएगी अगरबत्ती

उमाशंकर मिश्र

Twitter handle : @usm_1984

नई दिल्ली, 27 जनवरी (इंडिया साइंस वायर): कटरा स्थित माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और हर दिन यहां भारी मात्रा में फूलों का कचरा पैदा होता है। यहां से निकलने वाले फूलों अपशिष्टों का उपयोग अब अगरबत्ती बनाने के लिए किया जाएगा। इसके लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और लखनऊ स्थित सीएसआईआर-केंद्रीय सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) के बीच समझौता किया गया है। सीमैप द्वारा आधिकारिक रूप से यह जानकारी दी गई है।

सीएसआईआर-सीमैप के वैज्ञानिक फूलों से अगरबत्ती बनाने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को नि:शुल्क परामर्श, तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उपयोग किए गए फूलों को मंदिरों से इकट्ठा किया जाएगा, अगरबत्ती बनाने के लिए फूलों की पंखुड़ियों एवं तनों को पहले अलग किया जाएगा और फिर उन्हें धोने व सुखाने के बाद पीसा जाएगा। इस पिसी हुई सामग्री का उपयोग अगरबत्ती बनाने के लिए किया जाएगा।

श्राइन बोर्ड अधिकारियों का कहना है कि अगरबत्ती बनाने के लिए एक केंद्र स्थापित किया जाएगा, जहां माता वैष्णो देवी मंदिर से निकले फूलों के कचरों को एकत्रित किया जाएगा और फिर उससे अगरबत्ती बनायी जाएगी। इस संबंध में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश कुमार और सीमैप के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भास्कर ज्योति देऊरी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस मौके पर मौजूद श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी बोर्ड और सीएसआईआर-सीमैप की इस संयुक्त पहल से फूलों के कचरे का निपटारा उपयुक्त रूप से किया जा सकेगा। श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा तीर्थ की ओर जाने वाले रास्ते को तीर्थयात्रियों के लिए अधिक आकर्षक बनाने के लिए सुगंधित, सजावटी और फूलों के पौधों के साथ-साथ बेलदार पौधे लगाने का सुझाव देने के लिए वैज्ञानिकों को कहा गया है। सीमैप के वैज्ञानिकों ने भी इस पर सहमति व्यक्त की है और पौधों की उपयुक्त प्रजातियों के चयन में श्राइन बोर्ड को भरपूर सहयोग देने के लिए कहा है।

इस पहल से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस तरह बनायी जाने वाली अगरबत्तियों में खुशबू के लिए किसी रसायन का उपयोग नहीं किया जाएगा और उन्हें प्राकृतिक फूलों से बनाया जाएगा। कटरा और जम्मू समेत अन्य इलाकों में फूलों के कचरे से अगरबत्ती बनाने का काम होता है तो इससे रोजगार उत्पन्न हो सकता है और कचरा प्रबंधन में मदद मिल सकती है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और सीएसआईआर-सीमैप द्वारा अगरबत्ती जैसे उपयोगी उत्पाद बनाने में फूलों के कचरे का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। (इंडिया साइंस वायर)

Keywords : Sri Mata Vaishno Devi Shrine Board, CSIR-CIMAP, Incense Sticks, floral waste